एक नजर में

सांदीपनी स्कूल का लोकार्पण आज

नरसिंहगढ़ 23 जुलाई, सं. नगर में नवनिर्मित संदीपनी स्कूल का लोकार्पण आज शुक्रवार सुबह किया जाएगा. जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि क्षेत्रीय विधायक मोहन शर्मा की उपस्थिति में विद्यालय का लोकार्पण किया जाएगा. भाजपा पदाधिकारीयो ने सभी कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है.

बालिका संघ का गठन

पड़ाना 23 जुलाई, सं. महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित आंगनवाड़ी केंद्र मऊ में क्रमांक 3-8-4 में 23 किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्म-विकास के उद्देश्य से बालिका संघ का गठन किया गया. केंद्र पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कार्यकर्ता संगीता जयसवाल ने की. उन्होंने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए साफ-सफाई और व्यक्तिगत स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है. बैठक में किशोरियों में बढ़ती खून की कमी को देखते हुए आयरन की गोली के महत्व पर भी चर्चा की गई. कार्यकर्ता ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को भोजन करने के बाद सभी बालिकाओं को आयरन की गोली का सेवन करना है. इससे शरीर में खून की कमी नहीं होगी और वे पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय रहेंगी. इस मौके पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका फातमा बी, नूरजहां मसूरी और विद्या राजपूत उपस्थित थी.

हर्षोल्लास से मनाई चन्द्रशेखर आजाद की जयंती

ब्यावरा 23 जुलाई, का. शासकीय महाविद्यालय में गुरुवार को अमर शहीद क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद की जयंती श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई गई. कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं आजाद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई. प्राचार्य डॉ. आरके गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि आजाद जी का जीवन त्याग, बलिदान और देशभक्ति का अनुपम उदाहरण है. युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए. इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अरविंद भारद्वाज ,प्रो. प्रमोद कुमार खरे ,प्रो. इंदिरा सांकवा, डा. के एन मीना, हेमंत कुमार शर्मा, दिलीप वाल्मीकि, मुख्य लिपिक विक्रम सोंधिया सहित समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के समन्वयक दिलीप गुप्ता द्वारा किया गया. अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. एक अन्य कार्यक्रम में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 नशा उन्मूलन अभियान के अंतर्गत नशामुक्ति स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमे प्रथम स्थान मधु वर्मा, द्वितीय स्थान रामेश्वर सोंधिया, तृतीय स्थान अंकित वर्मा, ने प्राप्त किया. एनएसएस अधिकारी डॉ. केएन मीना एवं एनसीसी अधिकारी प्रो. हेमंत कुमार शर्मा के समन्वय में प्रतियोगिता आयोजित की गई. कार्यक्रम में प्रो. पहलवान सिंह मीना प्रो. अनुज शिवहरे सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा.

मेहनत की चाबी से खोल रहे किस्मत का ताला

पुरुषार्थ : अलीगढ़ के ताले बेचने वाले युवाओं को अपने परिश्रम पर है पूरा भरोसा

अपनी मेहनत, ईमानदारी और कठिन परिश्रम के लिये जाने जाते है अलीगढ़ के ताले बेचने वाले
देश में प्रसिद्ध अलीगढ़ के तालों को वर्षो से क्षेत्र में बेचने का कार्य कर रहे यूपी के लोग

गोविन्द बड़ोने
नवभारत न्यूज

ब्यावरा 22 जुलाई,का. मजबूत, टिकाऊ और भरोसेमंद अलीगढ़ के ताले बेचने वाले लोग अपनी किस्मत पर लगे ताले को लेकर मायूस जरूर है लेकिन निराश नहीं. उन्हें उम्मींद है कि एक न एक दिन अपनी मेहनत की चाबी से वे अपनी किस्मत पर लगे ताले को जरूर खोलने में सफल हो जायेंगे.

दूसरों की संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिये लगातार जद्दोजहद कर अलीगढ़ के प्रसिद्ध ताले बेचने वाले लोगों को अपनी मेहनत और ईमानदारी पर पूरा भरोसा है. वे अपने परिश्रम के प्रति ईमानदार है. नियमित रूप से पूरी ईमानदारी के साथ मेहनत पर विश्वास रखते हुए कार्य कर रहे है.

देश में अलीगढ़ के ताले हर घर की पसंद है. सैकड़ों प्रकार की खूबी और मजबूती में मिसाल बन चुके अलीगढ़ के ताले दशकों से लोगो की पसंद बने हुए है. गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में चप्पे-चप्पे पर ताले बनाएं जाते है. यहां के ताले मजबूती, गुणवत्ता के लिये जाने जाते है.

इन तालों की खूबी, मजबूती से सभी वाकिफ है. इन तालों के लीवर काफी मजबूत, पीतल के बनाएं जाते है. जिसके कारण यह लंबे समय तक टिकाऊ बने रहते है. शटर, मकान, दुकान, तिजोरी आदि विभिन्न स्थानों की सुरक्षा के लिये अलीगढ़ के ताले आम उपभोक्ताओं, दुकानदारों की पहली पसंद होती है.

ब्यावरा में वर्षो से अलीगढ़ के तालों का व्यवसाय अलीगढ़ के लोग ही यहां आकर करते है. कुछ लोगो का समूह दो से तीन महीने तक लगातार जिले के विभिन्न नगरों, कस्बों में भ्रमण करते है. ताले दिखाते है और उन्हें उचित रेट में बेचते है. इस व्यापार में लगे युवाओं का संघर्ष प्रेरणास्पद है. वे महिनों तक अपने घर-परिवार से दूर रहते है. प्रात: जल्दी उठकर स्वयं अपने हाथों से दोनो समय का भोजन सुबह ही बना लेते है. रात्रि को आकर सुबह वाला ही भोजन करके समय पर सो जाते है. प्रतिदिन उनका यही क्रम चलता है.

बाजार पर मजबूत पकड़, फैरी वालों की तरह बेचते हैं ताले

अलीगढ़, बुलंदशहर के लोग लंबे समय से उप्र से आकर यहां ताले बेचने का कार्य करते है. वे फैरी वालों की तरह व्यापार करते है लेकिन उनकी बाजार पर मजबूत पकड़ होती है. सबसे बड़ी बात यह है कि वे अलीगढ़ का ताला बताकर किसी अन्य जगह में बनने वाले अपेक्षाकृत हल्के तालों को नहीं बेचते है.यह लोग अपना निश्चित फायदा जरूर जोड़ते है लेकिन ग्राहक को ठगने का काम नहीं करते है.

दुकान, बाजार, घरों तक पहुंचकर करते हैं पूर्ति

अलीगढ़ के कुछ युवा ब्यावरा में रहकर अलीगढ़ से निर्मित तालों को नगर सहित विभिन्न शहरों, कस्बों, गांवों में जाकर दुकान, बाजार, घरों तक पहुंचकर ताले बेचने का काम करते है.

लंबे समय से अलीगढ़ से आकर राजगढ़ जिले में ताले बेचने आने वाले सोनू तौमर ने बताया कि हम अपने तालों की गुणवत्ता और उनकी मजबूती तथा उचित दर के कारण लोगो की वर्षो से पसंद बने हुए है.हम गांव, शहर, कस्बों, दुकानदारों को हर किस्म के ताले बेचते है. स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला में रहकर यह व्यापार करते है. सुबह से हाथ में ताले लटकाकर बेचने निकल जाते है. संघर्षपूर्ण स्थिति से जीवन को गुजारते हुए सोनू तौमर और उनके साथी अपने कार्य के प्रति ईमानदारी रखते हुए कार्य करते है.

10 से 15 प्रतिशत तक मंहगी हुई दुकान-मकान की सुरक्षा

घर, दुकान आदि की सुरक्षा के लिये आवश्यक ताले भी मंहगाई से अछूते नहीं है. अलीगढ़ के ताले बेचने वाले सोनू बताते है कि पिछले वर्ष की तुलना में ताले का मूल्य करीब 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गये है. सुरक्षा के लिये लोग जागरूक रहते है और आज के दौर के चोरों से सावधान रहने के लिये अलीगढ़ के बने विशेष तालों को महत्व देते है.

खेत की तार फेंसिंग में फैले करंट से किसान की मौत

कीटनाशक छिड़कते समय हादसा

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 23 जुलाई, का. **लखनवास चौकी क्षेत्र के पांजरी गांव में गुरुवार शाम को करंट लगने से एक किसान की मौत हो गई. 40 साल के दयाराम लोधा जब अपने खेत में खरपतवार नाशक दवा छिड़कने जा रहे थे, तभी खेत के पास लगी बिजली की तारबंदी (फेंसिंग) की चपेट में आ गए.**

जानकारी के मुताबिक, पांजरी निवासी दयाराम लोधा गुरुवार शाम अपने खेत की तरफ जा रहे थे. इसी दौरान खेत के आसपास लगे तार में बिजली का करंट दौड़ रहा था. तार से छूते ही दयाराम को जोरदार झटका लगा और वे वहीं बेहोश होकर गिर पड़े. हादसे की खबर मिलते ही आसपास के लोग और परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे. उन्हें फौरन नरसिंहगढ़ के सिविल अस्पताल ले जाया गया. दयाराम लोधा अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं. वे ही पूरे परिवार का पेट पालते थे.

अवैध तारबंदी को लेकर ग्रामीणों में गुस्सा

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की. पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी. वहीं, खेतों के आसपास इस तरह से खतरनाक और अवैध तरीके से तारबंदी में बिजली दौड़ाने को लेकर ग्रामीणों में भारी गुस्सा है.

फाईल फोटो

सीसीटीवी की मदद से चोर धराए, 6 बाईक बरामद

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 23 जुलाई, का. जिले में बाइक चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्षु-360 के तहत राजगढ़ पुलिस ने अंतरराज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार कर एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया है. पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की चार और वारदात में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें मिलाकर कुल छह वाहन बरामद किए हैं. कार्रवाई सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई. मामले में एक अन्य आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है.

पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर राजगढ़ कोतवाली और खिलचीपुर थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी की कई वारदातें करना स्वीकार किया। बरामद वाहनों में कोतवाली क्षेत्र से मंगल भवन, पिपलोदी ग्रिड सब स्टेशन और जिला न्यायालय के सामने से चोरी हुई तीन बाइक तथा खिलचीपुर के विधायक कार्यालय के सामने से चोरी हुई एक बाइक शामिल है। इसके अलावा वारदात में प्रयुक्त दो अन्य मोटरसाइकिलें भी जब्त की गई हैं. पुलिस के अनुसार आरोपी बनवारी (19) निवासी झालावाड़ (राजस्थान) को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया गया है. आरोपियों से अन्य मामलों में पूछताछ की जा रही है.

पॉलीटेक्निक डिप्लोमा में प्रवेश 26 तक

राजगढ़ 23 जुलाई, का. शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय राजगढ में तकनीकी शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्यूनिकेशन इंजी., केमिकल इंजिनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के द्वितीय वर्ष में कुछ ही रिक्त सीटों के विरुद्ध 2 वर्षीय आई टी आई उत्तीर्ण को प्रिवेश हेतु रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ हो चुके है.

तेज बारिश में स्कूली वाहनों के रपटों से निकलने पर रोक

आरटीओ की अपील पर कलेक्टर के निर्देश

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 23 जुलाई, का. जिला परिवहन अधिकारी ज्ञानेन्द्र वैश्य द्वारा बताया गया कि बाढ एवं अतिवृष्टि की स्थिति में पुलिया एवं चिकनी/काली मिटटी के क्षेत्र में प्राय: वाहन फंस जाते है. जिससे मार्ग अवरूद्ध होता है एवं अनावश्यक दुर्घटनाएँ भी घटित होती है. इस संबंध में कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा निर्देशित किया गया है कि नदी नालों के पुल-पुलियों एवं रपटा आदि पर पानी होने तथा वर्षाकाल में सड़क किनारे काली मिटटी आदि होने की स्थिति में अपनी बस को न निकालें क्योंकि इससे छात्र-छात्राओं एवं यात्रियों से भरी बस गुजरने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है.

उक्त निर्देशों के पालन में सभी स्कूल बस संचालकों को निर्देशित किया जाता है कि वह अपनी संस्था के बस चालकों एवं बस ड्यूटी स्टॉफ को निर्देशित करें कि नदी नालों एवं रपटा आदि पर पानी होने की स्थिति मे छात्र-छात्राओं से भरी बसों को नहीं निकालें.

यदि आपके द्वारा इसका उल्लंघन किया जाता है तो नियमानुसार कार्यवाही करते हुये, स्कूल की मान्यता रद्द करने हेतु अग्रिम कार्यवाही की जाएगी. इसके साथ ही बस का परमिट एवं फिटनेस निरस्त भी किया जाएगा एवं आपराधिक प्रकरण दर्ज करने हेतु संबंधित थाने को लिखा जाएगा.

इसी प्रकार जिले के समस्त यात्री बस संचालकों को भी निर्देशित किया जाता है कि वह भी अपने सभी चालक एवं परिचालकों को निर्देशित करें, कि नदी नालों एवं रपटा आदि पर पानी होने की स्थिति में बस को नहीं निकालें अन्यथा बस के परमिट, फिटनेस निरस्तीकरण के साथ-साथ आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने हेतु संबंधित थाने को प्रस्ताव भेजा जाएगा.

कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर आवेदन प्रारम्भ

राजगढ़ 23 जुलाई, का. कृषि विभाग की पीडीएमसी प्रेशराइज्ड सिंचाई परियोजना अन्तर्गत स्प्रिंकलर सेट, मिनी स्प्रिंकलर एवं ड्रिप कृषि सिंचाई उपकरणो पर अनुदान प्राप्त करने हेतु ई कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर कृषक अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे. प्राप्त आवेदनों में से लक्ष्यों के विरूद्ध ऑनलाइन लॉटरी सम्पादित की जाएगी. पंजीयन कराने किसान आवश्यक दस्तावेज के द्वारा ऑन लाईन आवेदन किया जा सकता है.

दुग्ध अभियान : जीरापुर और ब्यावरा पिछड़े, तीन दिन का अल्टीमेटम

जिपं सीईओ ने नरसिंहगढ़ पशु चिकित्सा अधिकारी को नोटिस थमाया

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 23 जुलाई, का. जिपं सीईओ डॉ. इच्छित गढ़पाले द्वारा गुरूवार को पशुपालन एवं डेयरी विभाग के दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में सभी विकासखंडों के पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों द्वारा अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई.

समीक्षा के दौरान जीरापुर एवं ब्यावरा विकासखंड की प्रगति निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नहीं पाए जाने पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारियों को एक दिवस के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए. साथ ही स्पष्ट किया कि निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण नहीं होने की स्थिति में 03 दिवस का वेतन काटने की कार्रवाई की जाएगी.

बैठक में अनुपस्थित रहे नरसिंहगढ़ की पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी डॉ. दीपलता मांडवी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश भी दिए गए. सीईओ ने सभी संस्था प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने ग्रामों में उपस्थित होकर लोकेशन सहित जानकारी उप संचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग राजगढ़ को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें.

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अभियान की प्रगति की पुन: समीक्षा 25 जुलाई को की जाएगी. बैठक में उप संचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, जिला डीआरओ अधिकारी सहित जिले के समस्त पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ एवं पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी उपस्थित रहे.

महानगरों में पहुंच रहीं मानपुरादेव की सब्जियां

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 23 जुलाई, का. नरसिंहगढ़ विकासखंड का छोटा-सा ग्राम मानपुरा देव आज ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, सामूहिक प्रयास और आधुनिक खेती का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है. यहां स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं पारंपरिक खेती से आगे बढ़ते हुए आधुनिक तकनीकों से सब्जी उत्पादन कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं. गांव में वर्तमान में 17 स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे

लगभग 170 महिलाएं जुड़ी हुई हैं. इन महिलाओं ने खेती को आजीविका का मजबूत माध्यम बनाकर अपने परिवारों की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया है. समूह की प्रत्येक सदस्य अपने खेत में आधुनिक तकनीक पॉली मल्चिंग अपनाकर टमाटर, मिर्च, बैंगन, फूलगोभी, पत्तागोभी, भिंडी, खीरा सहित विभिन्न प्रकार की मौसमी सब्जियों का उत्पादन कर रही हैं. इनके द्वारा उत्पादित ताजी एवं गुणवत्तापूर्ण सब्जियों की मांग आसपास के स्थानीय बाजारों के साथ-साथ भोपाल की थोक सब्जी मंडियों तक पहुंच चुकी है. ग्राम मानपुरा देव की यह पहल दर्शाती है कि यदि महिलाओं को अवसर, प्रशिक्षण और सही मार्गदर्शन मिले तो वे न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव की आर्थिक तस्वीर बदल सकती हैं. आज यह गांव स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, आधुनिक कृषि और ग्रामीण आजीविका का प्रेरणादायी मॉडल बन चुका है.

नवाचार | गांवों में ई गवर्नेंस, बैंकिंग और डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने के लिए नई पहल

स्मार्टपुर परियोजना में जिले की 14 पंचायतें होंगी डिजिटल

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 23 जुलाई, का. स्मार्टपुर परियोजना आरईएसीएचए संस्था द्वारा नोकिया के सहयोग से राजगढ़ जिले की 14 चयनित ग्राम पंचायतों में संचालित की जा रही है. इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना तथा शिक्षा, आजीविका, वित्तीय समावेशन, ई-गवर्नेंस, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित सेवाओं को गाँव स्तर पर सुलभ कराना है.

परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक चयनित ग्राम पंचायत में स्मार्टपुर सेंटर स्थापित किए गए हैं, जो ग्रामीणों के लिए डिजिटल सेवा एवं सामुदायिक संसाधन केंद्र के रूप में कार्य कर रहे हैं. इन केंद्रों के माध्यम से युवाओं, महिलाओं एवं अन्य समुदाय के सदस्यों को डिजिटल साक्षरता, कंप्यूटर शिक्षा, ऑनलाइन सरकारी सेवाओं, बैंकिंग सेवाओं, कौशल विकास तथा रोजगार एवं स्वरोजगार से संबंधित जानकारी एवं सहायता प्रदान की जाती है.

परियोजना के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बैंकिंग संस्थानों, एमपी ऑनलाईन तथा अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य किया जा रहा है. परियोजना के प्रमुख कार्य 14 ग्राम पंचायतों में स्मार्टपुर केंद्रों का संचालन, ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को डिजिटल साक्षरता एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण, ऑनलाइन शासकीय सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना, वित्तीय समावेशन एवं डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा देना, कौशल विकास एवं आजीविका संवर्धन गतिविधियों का संचालन, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना, समुदाय तथा ग्राम पंचायत एवं विभिन्न विभागों के साथ समन्वय एवं क्षमता विकास तथा ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीक आधारित सेवाओं के माध्यम से समावेशी एवं सतत विकास को बढ़ावा देना आदि स्मार्टपुर परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को डिजिटल रूप से सक्षम बनाकर उन्हें शिक्षा, सरकारी सेवाओं, वित्तीय सुविधाओं तथा आजीविका के बेहतर अवसरों से जोड़ना है.

स्मार्टपुर केन्द्रों का संचालन जिले के जनपद पंचायत नरसिंहगढ़, राजगढ़, खिलचीपुर एवं जीरापुर में किया जाएगाप्त जिनमें चयनित ग्राम पंचायतें निम्न, हैं. साथ ही नरसिंहगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत बिहार, जमुनिया जोहार एवं पड़लिया बाना, राजगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत महाबल, हिरणखेड़ा, फूलखेड़ी एवं फुंदिया, खिलचीपुर विकासखण्ड अंतर्गत पंखेड़ी, बावड़ीखेड़ा एवं दलुपुरा तथा जीरापुर विकासखण्ड अंतर्गत कवालसी खेड़ा, राजपुरा, लाखोनी एवं उभापन आदि. प्रत्येक स्मावर्टपुर केन्द्र प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से सायं 5 बजे तक संचालित रहेगा. प्रत्येक चयनित ग्राम पंचायत में बच्चों के उपयोग हेतु 04 लेपटॉप भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे वे डिजिटल शिक्षा, ई-लर्निंग, इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग एवं कंप्यूटर की मूलभूत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे.